Jamshedpur, Allahabad, Aligarh, Meerut, Delhi, Bhopal Ahmedabad, Bombay, Hyderabad and Thiruvananthapuram.

(b) to (d) There is no direct recruitment to RAF as it is a part of CRPF. While posting personnel to RAF Bns. care is taken to ensure that it has a composite character, including minorities, SCs and STs. At present the representation of minorities, SCs and STs is 17.79%, 13.64% and 4.76% respectively.

Interest shown by companies on BOLT Scheme

*218. SHRI MOOLCHAND MEENA:

SHRI SANJAY DALMIA:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the domestic and foreign companies which have shown interest in the Railway Telecom upgradation and modernisation programme under its Build-Own-Lease-Transfer (BOLT) Scheme; and

(b) the criteria laid down for implementing the scheme?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C.K. JAFFER SHARIEF): (a) Three Railway projects concerning Railway Telecommunication were covered in an advertisement in a number of National Dailies, identifying projects for taking up under the Build-Own-Lease-Transfer (BOLT) scheme. A total of twenty nine Indian and five foreign Firms showed interest through written correspondence.

(b) The technical specifications and the criteria for implementing the BOLT scheme in respect of Telecom projects are in advanced stage of finalisation, after which open bids will be invited.

गुजरात के शहरों में प्रदूषण

***219. श्री गोपाल सिंह जी सेलंकी: क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:**

(क) गुजरात किन-किन प्रमुख शहरों में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है;

(ख) तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इन शहरों में प्रदूषण को रोकने के लिए पहले से चल रही प्रदूषण नियंत्रण योजनाएं पर्याप्त हैं;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और प्रदूषण को रोकने में अब तक कितनी सफलता मिली है;

(ङ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं; और

(च) सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ): (क) और (ख) केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने सूचित किया है कि गुजरात के प्रमुख नगरों में वायु एवं जल प्रदूषण में बढ़ोतरी के कोई लक्षण नहीं देखे गए हैं। तथापि, सूरत, राजकोट, तथा बड़ौदा नगरों में निलंबित धूलकणों के स्तर अक्सर निर्धारित मानदंडों से ऊपर होते हैं जोकि वाहनों, उद्योगों तथा स्वाभाविक धूलभरी परिस्थितियों से उत्पन्न होने के कारण होते हैं।

(ग) से (च) नगरों में प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं:—

(i) गुजरात में वापी, अंकलेश्वर, सरीगाम, पनोली तथा सचिव में स्थित लघु पैमाने की औद्योगिक इकाइयों के समूहों में एक सफा बहि:स्राव उपचार संयंत्र की स्थापना करने के लिए विश्व बैंक से सहायता प्राप्त औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण परियोनजा के अंतर्गत वित्तीय व्यवस्था की गी है।

(ii) प्रदूषणकारी उद्योगों की उन प्रमुख श्रेणियों के लिए उत्सर्जन और बहि:स्राव मानक अधिसूचित किए गए हैं, जिनमें निर्धारित समयावधि के भीतर अवश्यक प्रदूषण नियंत्रण उपकरण लगाने के निर्देश दिए गए हैं, जिनके न लगाए जाने पर दोषी इकाइयों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाती है।

(iii) वाहनों से प्रदूषण नियंत्रण के लिए, पेट्रोल और डीजल दोनों प्रकार के वाहनों के लिए उत्सर्जन मानक अधिसूचित किए गए हैं।

इन उपायों के फलस्वरूप घोर प्रदूषणकारी क्षेत्रों की 17 श्रेणियों में 177 उद्योगों में से 167 उद्योगों के पास